647 635

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs 10000 दस हज़ार रुपये

10000 रु. Rs 10000 RUPEES TEN THOUSAND

10000 रु. Rs.10000

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

AA 002356

Roshan Barwa
S/o Late Raphael Barwa
At- Thakurtoli
P.O+Dist- Simdega
6/7/15

[redacted]

23 I A with the Permission by S.D.O Simdega
Vide Case No 340 / 2014-15
order dated 27.5.15

06-7-15

06.7.15

§1§ लेख्यकारी :- श्री रोशन बरवा पिता स्व० रफायल बरवा, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. .. .. बिक्रेता ।

शमथ-पत्र संख्या :- 332/2015

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

{2} लेख्यधारिणी :- सुश्री रोमोला बाड़ा पिता श्री बिलियम बाड़ा, जाति- उराँव, पेशा- गृहिणी, निवास ग्राम- तुमडेगी गिरजाटोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका ।

प्रमाण-पत्र संख्या :- 333/2015

{3} लेख्यप्रकार :- विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी पत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है ।

{4} मूल्य :- मोबलिग तीन लाख एकतालिस हजार रूपये अंके 3,41,000/- रूपये होता है ।

{5} सम्पति :- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 236 {दो सौ छतीस} प्लॉट नं0 5090 {पाँच हजार नब्बे} रकबा 4.63 एकड़ में से 0.11 एकड़ {ग्यारह डिसमिल} शहरी क्षेत्र के चार भागों में से विक्रय वाली जमीन आवासीय क्षेत्र में पड़ता है जिसपर किसी प्रकार का मकान या निर्माण नहीं है ।

जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता,

दक्षिण :- जुलियान तिर्की का मकान बारी,

पूरब :- इसी प्लॉट में छोड़ा गया 8 फीट का कच्चा रास्ता,

किशोर खलखो पिता- स्व. विलियम खलखो
ग्राम- कुम्हडेगी गिरजा टोली
थाना+जिला- सिमडेगा
6/7/2015

Roshan Barwa
6/7/15

1000Rs.

पश्चिम:- अरुण बरवा एवं शैलेश बरवा का दोन ।

मालगुजारी 5 पैसा {पाँच पैसा} अलावे सेस सलाना ।

{1} चूँकि मुझ लेखयकारी को मकान बनाने एवं अन्य दीगर घरेलू खर्च के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे वगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेखयधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

{2} इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उक्त लेखयधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेखयधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

{3} मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है । खतियान में मेरे परदादा शंकरा उराँव के नाम से नाप दर्ज है । मेरे दादा एवं पिताजी की मृत्यु हो चुकी है । उनकी मृत्यु के बाद जमीन का आपसी मौखिक मियादी बँटवारा हो चुका है । जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे निज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा

Roshan Barwa
6/7/15

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रू.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

§4§ अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

§5§ चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अत: जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर कास्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 340/2014-15 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 27.05.015 को प्राप्त हुई एंव जिसका मेमो नं0 144§1§ दिनांक 27.5.2015 है ।

§6§ इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला कैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

उक्त बिक्री को जानेवाली जमीन भू-हदबंदी, कैसरे हिन्द, खास महल, सैरात, लीज, भू-दान, बंदोवस्ती, गैर मजरूआ के तहत नहीं है ।

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है। Roshan Barwa 6/7/15

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
06.07.2015

Roshan Barwa 6/7/15

मैं लेख्यधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

Romola Bara
06/07/2015

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारिणी के बाँये हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया।

संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
06.07.2015

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- संजय कुमार महतो
अधिवक्ता
(प्रारूपकर्त्ता)
तारीखः- 06.07.2015

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 652 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्सा सहित है।

टंकक

मो0 मकसूद

कचहरी परिसर,

सिमडेगा ।